(जिला स्तरीय मौसम पूर्वानुमान)

(जिला स्तरीय मौसम पूर्वानुमान आई.एम.डी.,नई दिल्ली के आधार पर तैयार की गई)

चौ.स.कु. हिमाचल प्रदेश कृषि विश्वविद्यालय, पालमपुर-176062

हिमाचल प्रदेश

सस्य, चारा एवं चारागाह प्रबन्धन विभाग, कृषि महाविद्यालय

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा विज्ञप्ति क्र. 2018/7/Him/Ham/3

जिलाः काँगड़ा **दिनांकः 10.7.2018**

www.hillagric.ac.in/info/kisano_ke_liye_soochna, email: ranars66@rediffmail.comPh.No. : +91-1894 232245
Fax: 91-1894 230406

आगामी पांच दिनों का मौसम पूर्वानुमान:

Past Weather

Temperature	Max temperatures were 1-2 Deg C above normal						
	Highest Temp	Dharmsala: 30.8 Deg.C 08th July .					
	Min. temperatures normal						
	Lowest Temp	Dharamsala: 18.0 Deg. C on 06th July					
Precipitation in (mm)	Rainfall occurred at islated places in the district.						
	Date	**5th**	**6th**	**7th**	**8th**	**9th**	**10th**
	Dharamshala	4.4	0	0	0	33.8	17.4
	Ghamroor	0	0	0	0	0	0
	Guler	0	0	0	0	0	1.5
	N. Suriyan	0	0	0	0	0	18

Weather Forecast

Weather Parameter/Date		**11th**	**12th**	**13th**	**14th**	**15th**
Rainfall (mm)		20	40	35	25	20
Temp	**Max**	31	29	28	28	28
(C)	**Min**	21	21	19	20	19
Cloud (Octa)		3	4	5	7	7
Humidity	**Morning**	79	88	89	89	83
(%)	**Evening**	60	65	70	75	78
Wind speed (kmph)		7	6	4	6	4
Wind direction		SE	S	ESE	E	ESE

जिले के अलग अलग क्षेत्रों में ब्लाक स्तर पर पिछले सप्ताह वर्षा 1.5 से 55.6 mm हुई और तापमान से 18.0-30.8 ^{0}C रहा है.

अगले पांच दिनों मे 140 m m वर्षा की संभावना है। अधिकतम तापमान 28 से 31 ^{0}C और न्यूनतम तापमान 19 से 21 ^{0}C के बीच रहने के संभावना है. हवाओं की गति 4-7 किलोमीटर प्रति घंटे के हिसाब से चलेंगी. सापेक्षित आद्रता लगभग 60 से 89 प्रतिसत के बीच रहेंगी. हलके बादल रहने की संभावना है.

मुख्य फसलें	अवस्था	कीट/ विमारियां व अन्य	कृषिय सलाह
भारी वर्षा को ध्यान में रखते हुए किसान भाई अपने खेतों में मेड़ों को बनाने का कार्य शीघ्र करें। मेडें चोडी तथा ऊँची होनी चाहिए। खेतों में पानी की निकासी का विशेष ध्यान दें.			
खरीफ फसलें			धान के पनीरी को खेत में लगाने का समय है. खेत की अच्छी तरह से तैयारी कर लें . धान के खेतों की मेंडो को मजबूत बनाये। जिससे वर्षा का ज्यादा से ज्यादा पानी खेतों में संचित हो सके. अगर धान के सीधी वीजाई करते हैं तो खरपतवार नियंत्रण के लिए धान में

			खरपतवार नियंत्रण के लिए butachlor 3 लीटर को 800 लीटर पानी में घोल कर प्रति २५ कनाल के खेत या हैक्टेयर में छिड्काब करें। धान के प्रतिरोपण के 4-5 दिन बाद खरपतवार नितंत्रण के लिए मचेटी ३ लीटर को 150 किलोग्राम रेत में मिला कर प्रति हेक्टेयर के हिसाब से छिद्काब करें. धान में आज कल जुलसा रोग की संभावना होती है उपचार हेतु बाविस्टिन 1.२ ग्राम प्रति लीटर पानी में घोल कर 15 दिन के अन्तराल पर छिड्काब करें जिन जगहों पर मक्का की फसल 2 या 3 हफ़्तों की हो गई है वहां गुड़ाई का समय है.
दलहनी			सोयाबीन रोंगी मुंग माह व कुल्थी के वीजाई कर सकते हैं .दलहनी फसलों में खरपतवार नियंत्रण के लिए लासो ३ लीटर या स्टाम्प 4.5 लीटर पार्टी हेक्टेयर के हिसाब से 48 घटों के अन्दर छिड्काब करें.
आनाज भंडारण			वातावरण में नमी बढ़ने से भंडारण गृह में कीटों द्वारा भंडारित अनाज में हानि हो सकती है। इसलिए भंडारित अनाज की जाँच करें तथा कीट नजर आए तो सेल्फाँस गोलिया @ 3 गोली प्रति टन अनाज की दर से प्रयोग करें तथा ढाँचे को अच्छी तरह से सील कर दें
खरीफ फसलों			खरीफ की सभी फसलों में आवश्यकतानुसार निराई-गुड़ाई करके खरपतवारों का नियंत्रण करें। इससे खरपतवारों द्वारा फसलों को कम हानि होती है तथा जल की बचत होती है और जड़ों का विकास अच्छा होता है
चारा ग्रीष्मऋतु की फसलें	बुवाई		सेटारिया, हाथी घास आदि की उन्नत किस्में लगायें।चारे की अधिक उपज के लिए मक्की+सोयाबीन, मक्की+रोगी, व मक्की+ फील्डवीन की मिश्रित खेती लाभदायक रहती है। मक्की+रोगी के लिए बीज की मात्रा 3.2+1.2 कि.ग्रा./बीघा रखें। युरिया या कैन व एस.एस.पी. डालें।
सब्जी उत्पादन	भारी वर्षा होने की संभावना है सब्जी के खेतों में पानी की निकासी का विशेष ध्यान दें.		
सब्जी उत्पादन टमाटर ,लाल व शिमला मिर्च	बुवाई का समय निराई व गुड़ाई		कद्दूवर्गीय सब्जियों (लोकी, टिंडा, तूरई, सीताफल, ककड़ी, करेला, तरबूज, खरबूजा आदि) की सीधी बीजाई के बाद गुडाई कें. इस मौसम में बेलवाली सब्जियों में लाल भृंग कीट के आक्रमण की संभावना

			रहती है, यदि कीट की संख्या अधिक हो तो ड़ाईक्लोरवाँस 76 ई.सी. (डी.डी.वी.पी.)@ 1 ग्राम/लीटर पानी की दर से छिड़काव करें। या मैलाथियान 50 ईसी. (1 मि.ली.दवाई कीटनाशक प्रति लीटर पानी में घोल बनाकर) का छिडकाव करें। किसान कद्दूवर्गीय सब्जियोंमें फल मक्खी की निगरानी करते रहें इसके लिए मिथाइल यूजीनोल ट्रेप का प्रयोग कर सकते हैं। फल मक्खी के लक्षण पाये जाने पर रोगोर @ 2 मि.ली+10 ग्राम चीनी/गुड़ प्रति ली .पानी में मिलाकर 50 लीटर प्रति हैक्टर की दर से छिड़काव आसमान साफ होने पर करें बैंगन तथा टमाटर की फसल को प्ररोह एवं फल छेदक कीट से बचाव हेतु ग्रसित फलों तथा प्रोरहों को इकट्ठा कर नष्ट कर दें। यदि कीट की संख्या अधिक हो तो स्पिनोसेड़ कीटनाशी 48 ई.सी. @ 1 मि.ली./4 लीटर पानी की दर से छिड़काव करें.। मिर्च के खेत में माईट कीट की निरंतर निगरानी करते रहें। भिंडी, मिर्च तथा बेलवाली फसल में माईट, जैसिड और होपर की निरंतर निगरानी करते रहें। अधिक माईट पाये जाने पर फाँसमाईट @ 2 मि.ली./लीटर पानी तथा जैसिड और होपर कीट के रोकथाम के लिए रोगोर कीटनाशक 2 मि.ली./लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव आसमान साफ होने पर करें
फूल गोभी			फूल गोभी की नर्सरी लगाने का समय है तैयार नर्सरी को खेतों में प्रतोरोपन कर सकते है
ऊंचे पर्वतीय क्षेत्र	निरही गुडाई		ऊँचे पर्वतीय क्षेत्रों में ओगला फफरा राजमाश मटर पलक गोभी की फसल में निरही गुडाई करें. साथ में फाफरा आदि की फसल वीजई का काम खत्म करें.
पाली होउस खेती	बनस्पति और फल अवस्था		टमाटर में पता धब्बा रोग की रोकथाम के लिए टिल्ट नाम के दबाई का छिड्काब करें. पहले लगे टमाटर में दो टहनियों रख कर बाकि की कटाई व छंटाई करें. पोलीहोस में माइट्स के बचाब हेतु 10 मिली लीटर Prorazite 57 EC या Spiromeciphen 22.9 SC 10 लीटर पानी में घोल कर छिड्काब करें . छिड्काब के एक सप्ताह बाद ही सब्जिओं को तोडें .पोलिहोसे हाउस में सफल खेतीं के लिए निचले व मध्यम पर्वतित्यों क्षेत्रों में जरूरत दिन में 50 प्रतिशत छायादार जालों का प्रयोग

			करें ताकि तापमान का नियंत्रण हो सके. हबा की निकासी का प्रवन्ध करें .पालिहोस में spodoptera तम्बाकू सुंडी का प्रकोप की सम्भावन है पतंगे को अदंर न आने दें. वर्षा के समय साईड की बेंट को बंद रखें और बाद में खोल दें
मशरूम	डिंगरी मशरूम पैदाबार		बंद कमरे में खुम्ब उत्पादन के लिए जलवायु उचित है **डिंगरी की फसल के लिये कमरे का तापमान 22-24 डिग्री सेल्सिस तक वनाये** *रखें और पानी भी छिडकें ताकि कमरे में नमीं 80 से 85 प्रतिशत वनी रहे*
पशुपालन मवेशी भेड़ बकरी इत्यादी		डीवार्मिंग	पशुओं में डीवार्मिंग करने का समय है व खुरमुई वीमारी के लिए टीकाकरण करवाएं। गलघोटू ब लंगड़ा बुखार के लिए पशुओं को टिका लगवा दें .पशुओं के जगह को सुखा रखें . दाना मिश्रण में उर्जा की मात्रा २-३ प्रतिसत बड़ा दें . जुओं चिचाडों से बचें हेतु butox २ मिली लीटर प्रति लीटर पानी के हिसाब से पशुशाला में छिडकें . पशुओं को साफ पानी दें.
मुर्गीपालन		आहार	मुर्गियों को बीमारियों से बचाने के लिए मुर्गीघरो में नमी मत होने दे । मुर्गीघरो में डीप-लीटर को दुसरे-तीसरे दिन उलट दे, ताकि बीमारी न फैले । ब्राईलर को लगातार फीड देते रहे । पौल्ट्री आहार में २ प्रतिशत प्रोटीन की मात्रा आहार में बड़ा दें । मुर्गियों को साफ पानी दें.
चाय	पत्ती की तुडबाई		पत्ती की तुडबाई ठीक स्तर पर करें ताकि अच्छी प्रतिशाता मिले जहाँ कहीं छाया हो पोधों को की काट छांट कर दें ताकि पोधों को अच्छी धुप मिले मिली बग आने पर उपचार करें . माइट्स की रोकथाम के लिए केलथेन *2.5* मिली लीटर प्रति लीटर पानी में छिड्काब करें
फल उत्पादन	पोध संरक्षण		फलों के नऐ बाग लगाने वाले गड्डों में गोबर की खाद मिलाकर 5.0 मि.ली. क्लोरपाईरिफॉस एक लीटर पानी में मिलाकर गड्डों में ड़ालकर गड्डों को पानी से भर दे ताकि दीमक तथा सफेद लट से बचाव हो सके । मिलीबग कीट की निगरानी करते रहें। पीच लीफ कर्ल के उपचार हेतु Metasystox 1 मिली लीटर 1 लीटर पानी+ blitox ३ ग्राम १ लीटर पानी में घोल कर छिड्काब फूल आने से पहले करें
जंगली व ओषधि पोधे	वीजाई		कचनार, धक् , झिन्गेर संजना संदन ,साल और तूनी अदि के वीज को इकट्ठा करेने का समय है तथा ओषधि पोधे अस्वगंधा तुलसी जंगली भिन्डी

			अगरकार की पोधे तैयार करें का मौसम है.
मधु मक्खी पालन	सक्रिय	पोषण	मधु मक्खीयों के कमजोर गृहों को बनावटी खुराक 50 प्रतिशत चीनी व 50 प्रतिशत गुर का घोल बन कर दें . ततैईयों रिन्गलों से बचाब करें और फ़ाउल ब्रूड रोग के प्रति सचेत रहे. मौनालय के आसपास घास व खरपतवार नियंत्रण रखें. समय समय पर अतिरिकत फ्रेम डाल दें ताकि मधु मखियों अपनी बढोतरी कर सकें .
मछली पालन	वीज डालना		तालाब के चरों तरफ जाली बनाये ताकि अधिक बारिश कारण वो बाहर न निकल जाएं .मछली पालने के लिए तालाबों में पानी की सतह 6 फूट तक बनाए रखें खुराक 4 प्रतिशत शरीरी के हिसाब से ५-६ बार डालें मात्रा शारीर के भार के बरावर के हिसाब से बड़ा दें।
पुष्प			ग्रीष्मऋतु के लिये गेंदे की तैयार पौध की रोपाई करें। ग्रीष्मऋतु फूलों की नर्सरी लगाने का समय है माइट्स से बचाब हेतु स्प्पेर्मेथ्रिन 0.05 % 15 दिन के अन्तराल पर छिडकाव करें फूलों को क्यारियो . गमलों लटकानी तो टोकरियों . चाट्टानी उद्यानों आदि में उगाया जा सकता है. गुलाब की क्यारियों में सप्ताह के अंतराल पर सिंचाई व निराई-गुड़ाई करें तथा सूखी टहनियों को काटे

कृषि प्रसार निदेशक
चो० स. कु. हिमाचल प्रदेश कृषि विस्वविद्यालय] पालमपुर -176062
हिमाचल प्रदेश